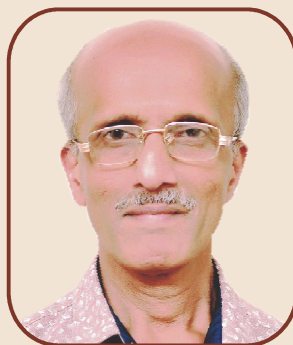


## Padma Shri



### SHRI SANJAY ANANT PATIL

Shri Sanjay Anant Patil, locally known as Sanjay Kaka is an innovative farmer and a green revolutionary, known to many as the 'one-man-army' because he single-handedly transformed a ten-acre barren land into a lush green *Kulagar* (Plantation-Livestock based integrated farming system) wholly adopting the principles of Natural Farming and zero-energy micro-irrigation system.

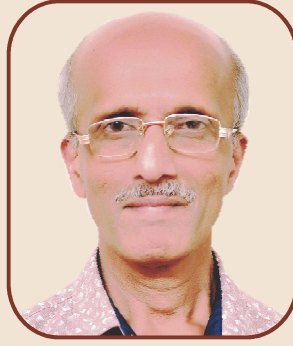
2. Born on 31<sup>st</sup> August, 1964, Shri Patil has been practising natural farming since 1991 using Jeevamrut. He produces 5000 litres of Jeevamrut per month from the dung and urine of a single indigenous breed of cow. He has proven through his practice that a single indigenous cow is adequate for the cultivation of 10 acres of land without using a gram of chemical fertilizers and pesticides. He also designed and built an automatic *Jeevamrut* production plant to accelerate and enhance production. He observed a reduction in production cost by 60%-70% and his crop yield increased by 25%-30% with savings of Rs. 3 Lakhs per year by adopting natural farming practices.

3. Shri Patil overcame the major challenge of water shortage mainly after the monsoon by digging a 125 feet tunnel (*surang*) all alone on the hill of his farm. Further, he constructed several percolation trenches alone in the hills surrounding the farm for the collection of rainwater. He ensured that he received 15 lakh litres of water for irrigation throughout the year through his innovative zero-energy micro-irrigation and rainwater harvesting system.

4. Shri Patil, even though, has had formal school education up to the 11<sup>th</sup> class, he possesses the knowledge and skills of an engineer, when it comes to water conservation and natural farming practices. He is not only an innovator but also an early adopter of the technologies of the Indian Council of Agricultural Research-Central Coastal Agricultural Research Institute, Goa and local Krishi Vigyan Kendra. He has been a model farmer and resource person for his fellow farmers and his farm has become a must-see model farmland and has over 300-500 visitors a year. His story has inspired his fellow farmers, especially in attracting the youth into agriculture.

5. Shri Patil has received coveted awards like the *Krishiratna* Award-2014 by Government of Goa and the IARI-Innovative Farmer Award-2023.

पद्म श्री



## श्री संजय अनंत पाटील

श्री संजय अनंत पाटील, जिन्हें स्थानीय रूप से संजय काका के नाम से जाना जाता है, एक नवान्वेषी किसान और हरित क्रांतिकारी हैं। उन्हें बहुत से लोग 'वन मैन आर्मी' के रूप में जानते हैं क्योंकि उन्होंने अकेले ही दस एकड़ बंजर भूमि को हरे-भरे कुलागर (वृक्षारोपण-पशुधन आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली) में बदल दिया था। उन्होंने पूरी तरह से प्राकृतिक खेती और शून्य-ऊर्जा सूक्ष्म-सिंचाई प्रणाली के सिद्धांत अपनाए।

2. 31 अगस्त, 1964 को जन्मे, श्री पाटील 1991 से जीवामृत का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। वह एक देशी नस्ल की गाय के गोबर और मूत्र से प्रति माह 5000 लीटर जीवामृत का उत्पादन करते हैं। उन्होंने अपने कार्य से यह सिद्ध कर दिया है कि एक ग्राम भी रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का इस्तेमाल किए बिना एक देशी गाय 10 एकड़ भूमि पर खेती के लिए पर्याप्त है। उन्होंने पैदावार में तेजी और वृद्धि के लिए एक स्वचालित जीवामृत उत्पादन संयंत्र का डिजाइन और निर्माण भी किया। उन्होंने पाया कि प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर प्रति वर्ष 3 लाख रुपये की बचत के साथ उत्पादन लागत में 60%-70% की कमी आती है और उपज में 25%-30% की वृद्धि होती है।

3. श्री पाटील ने अपने खेत की पहाड़ी पर अकेले ही 125 फीट लंबी सुरंग खोदकर मुख्य रूप से मानसून के बाद पानी की कमी की बड़ी चुनौती पर काबू पा लिया। इसके अलावा, उन्होंने वर्षा जल संचयन के लिए खेत के आसपास की पहाड़ियों में अकेले कई रिसाव खाइयों का निर्माण किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उन्हें अपनी नवान्वेषी शून्य-ऊर्जा सूक्ष्म-सिंचाई और वर्षा जल संचयन प्रणाली के जरिए पूरे वर्ष सिंचाई के लिए 15 लाख लीटर पानी अवश्य मिले।

4. भले ही श्री पाटील ने 11वीं कक्षा तक औपचारिक स्कूली शिक्षा प्राप्त की हो, लेकिन जब जल संरक्षण और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की बात आती है, तो उनके पास एक इंजीनियर का ज्ञान और कौशल है। वह न केवल एक नवान्वेषी हैं, बल्कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा और स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र की प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले शुरुआती व्यक्ति भी हैं। वह अपने साथी किसानों के लिए एक आदर्श किसान और संसाधन-युक्त व्यक्ति रहे हैं। उनका खेत अवश्य देखने योग्य एक मॉडल फार्मलैंड बन गया है और प्रति वर्ष 300-500 से अधिक आगंतुक इसे देखने आते हैं। उनकी कहानी ने उनके साथी किसानों को प्रेरित किया है और खासकर युवाओं को कृषि की ओर आकर्षित किया है।

5. श्री पाटील को गोवा सरकार द्वारा कृषिरत्न पुरस्कार-2014 और आईएआरआई-इनोवेटिव फार्मर अवार्ड-2023 जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।